IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

# उच्च माध्यमिक स्तर के किषोर बालिकाओं के व्यक्तिगत सामाजिक कारकों एवं सषक्तिकरण का अध्ययन

लेखक नीलम कुमारी

शोधार्थी शिक्षा विभाग,

महाराज विनायक ग्लोबल यूनिवर्सिटी,

जयपुर (राजस्थान)

## सारांश

*वर्तमान समय मे महिलाओ को पुरूषों के समान अधिकार प्राप्त है परन्तु यदि सही मायने मे देखें तो हम पाते है कि क्या महिलायें वास्तव में सषक्त है। आज की बात कर तो हम देखते है कि महिलायें अपने आर्थिक सामाजिक एवं व्यक्तिगत कार्यो में पुरूषों की राय लेती है तथा षिक्षित होते हुए भी पुरूषों पर निर्भर है। समाज में भी सक्षम महिला होते हुए भी हीन महसूस करती है तथा अधिकारो के प्रति जागरूक नही है। इस शोध में विभिन्न योजनाओ मे नामांकित किशोरियों में क्षमता विकास एवं उनमे सामाजिक, राजनीतिक व कानूनी जागरूकता का अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत शोध में एडोलेसेन्ट गर्ल्स इम्पावरमेंट स्केल का प्रयोग किया गया है। सर्वप्रथम विभिन्न विभागो द्वारा संचालित किशोरी सशक्तिकरण कार्यक्रमो की जानकारी प्राप्त की गयी है तत्पश्चात इन कार्यक्रमो की सफलता जानने के लिए 200 उत्तरदाताओ से प्रश्नावली के माध्यम से जानकारी प्राप्त की गयी है प्राप्त जानकारी का सारणीकरण कर सांख्यिकी आधार पर विश्लेषणात्मक मूल्यांकन का कार्य किया गया है।*

***झमलूवतकेरू किशोरी सशक्तिकरण, क्रियान्वित कल्याणकारी योजनाएं, क्षमता विकास, सामाजिक, राजनीतिक व कानूनी जागरूकता***

## पृष्ठभूमि

विश्व में सबसे ज्यादा युवा हमारे देश में है और उनमे से ज्यादा संख्या किशोरो की है जिनमें किशोरियों की संख्या पूरी संख्या का 1/5 है इसलिए हमें सबसे ज्यादा ध्यान इन्ही के विकास पर देना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 10–19 वर्ष आयु वर्ग की लड़कियों को किशोरी के रूप में परिभाषित किया है, यह वह समय है जब किशोरियों का

सबल बनाना हमार सतत विकास का एक हिस्सा है। किशोरी बालिकाएं अपन आप की दखभाल में सफल हा सके इसलिए उनमें शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जागरूकता का विकास करना जरूरी ह ताकि वह अपना स्वस्थ भविष्य निर्माण कर सक।

किषोरवस्था मनुष्य के विकास की तीसरी अवस्था ह यह बाल्यावस्था के बाद शुरू होकर प्रौढ़ावस्था शुरू होन तक चलती रहती है, परंन्त जलवायु एव व्यक्तिगत भदा ककारण किषोरावस्था की अवधि में कुछ अंतर आता है। यह वह अवस्था है, जिसका छात्रापर तात्कालीन प्रभाव व दीर्घकालीक प्रभाव दोनां ही देखन का मिलता ह इस अवधि में

शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक प्रभाव दाना ही सबसे अधिक दिखाई दत है। इस दषा म षिक्षको की भूमिका महत्वपूर्ण हा जाती है, सही मार्गदर्षन एवं दिषा निर्देषन स किषोराका सही दिषा में जान का मौका मिलता है।

सशक्तिकरण एक व्यापक शब्द ह जिसमें अधिकारा एवं शक्तिया का स्वाभाविक रूप से समावेश ह यह एक ऐसी मानसिक व्यवस्था ह जा कुछ विशेष आन्तरिक कुशलताआऔर शैक्षिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक आदि परिस्थितिया पर निर्भर करती ह जिसके लिए समाज में आवयश्क कानूना सुरक्षात्मक प्रविधाना और उनके भली–भाति क्रियान्वयन हेत सक्षम प्रशासनिक व्यवस्था होती है। भारत के संदर्भ मे इस स्वस्थ आर्थिक विकास, शिक्षा व काननी अधिकार दन स दखा जाता है। किशोरी सशक्तिकरण का अथ उन्हआर्थिक रूप से स्वावलम्बी, आत्मविश्वासी और अपनी अस्मिता क प्रति सकारात्मक सोच वाला बनाना ह ताकि वे कठिन परिस्थितियों का मुकाबला करने में सक्षम हा और विकास कार्यों में भी उनकी भागीदारी हा सके। सर्वविदित ह कि एक महिला ही राष्ट निर्माता होती ह वह देश के विकास की गति का तेज करन की क्षमता रखती है। लेकिन सर्वप्रथम इनक आधार भूत जीवन का विकास आवश्यक है। यह आवश्यक ह कि उन्ह पूर्ण पोषाहार, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, प्रशिक्षण, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, नीतिनिर्माण, निर्णय प्रक्रिया में भी भाग लेन क अवसर दिये जाये ताकि एक स्वस्थ, शिक्षित और जागरूक किशोरी आगजाकर अपन परिवार समाज व देश क विकास में सक्रिय योगदान द सके। उसकी नैसर्गिक प्रतिभा कला कौशल सामार्थ्य रूचि जागरूकता का उजागर करन क लिए उसे सशक्तिकरण के माध्यम से विकास के उचित अवसर प्रदान करना अति आवश्यक हैं।

सशक्तिकरण से अभिप्राय आध्यात्मिक, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक शक्ति का व्यक्ति और समुदाय मे बढ़ान स है। इसक फलस्वरूप क्षमतावान, सशक्त, विकासशील और आत्मविश्वास से युक्त महिला समूह निर्मित हा सकता है। महिलाआ और लड़कियो क लिए
एक वैश्विक अभियान, *संयुक्त राष्ट्र महिला शाखा ;न्छ॰ूवउमद्ध* का दुनिया भर म स्त्रिया की जरूरता का पूरा करन म तेजी लाने के लिए स्थापित किया गया।
सशक्तिकरण के अंतर्गत इस प्रकार की क्षमताआ का विकसित करन का लक्ष्य है

1. Lo;a d fu.kZ; ysu dh {kerk vkSj mlds fy, i;kZIr lalk/kuksa dk igpkuu dh {kerkA
2. yksdrkaf=d rjhdk ls nwljk ds fopkjk dk cnyu dh {kerkA
3. ifjorZu vkSj fodkl esa Hkkxhnkjh dh {kerkA
4. lkewfgd fu.kZ; ysu esa efgykvk dk tqVkus dh {kerkA
5. mDr fn'kkvk esa u dsoy ldkjkRed lksp gksuk gS] ijUr i;kZIr dkS'ky HkhA

**किशोरियां क लिए चलायी जा रही योजनाएं–** सशक्तिकरण क लिए कई कार्यक्रम व योजनाएं क्रियान्वित की जा रही ह जैसे:- बालिका समृद्धि योजना, निशुल्क बालिका शिक्षा (इंदिरा गांधी इकलौती बालिका छात्रवृत्ति योजना), बालिका प्रोत्साहन योजना, धन लक्ष्मी योजना, किशोरी शक्ति योजना, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना, बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, राष्ट्रीय पोषाहार मिशन आदि। प्रस्तुत शोध अध्ययन म शोधार्थी द्वारा राजस्थान अन्नपूर्णा दूध योजना, बेटी बचाओ बेटी पढाओ, मुख्यमंत्री स्कूटी योजना, पर कार्य किया गया ह।

## उद्देश्य

1. किशोरीशक्ति योजना म सम्मिलित किशोरिया म क्षमता विकास का अवलाकन करना 2. किशोरीशक्ति योजना में सम्मिलित किशोरियो में सामाजिक, कानूनी व राजनैतिक जागरूकता विश्लेषण करना।
3. दोना योजनाआ म सम्मिलित किशोरियों में सशक्तिकरण क स्तर का मूल्यांकन

## शोध प्रविधि

यह अध्ययन राजस्थान के जयपुर जिल में किया गया ह और यह अध्ययन किशोरी सशक्तिकरण म सरकार द्वारा क्रियान्वित कार्यक्रमा की भूमिका का मूल्यांकन पर आधारित है। जिनमें उन किशोरिया का सम्मिलित किया गया ह जा इन योजनाआ में नामांकित है विशेषकर दा योजनाआ का चुनाव किया गया ह–

दोना योजनाआ से 200 किशोरियों का चयन किया गया है। अध्ययन में वर्णात्मक अध्ययन पद्धति का प्रयाग किया गया ह एवं सोद्देश्यपूर्ण निदर्शन विधि का प्रयोग करतहुये अध्ययन क्षेत्र का चुनाव किया गया ह इसके लिए 11 स 18 वष की 200 उत्तरदाता किशोरियों का चयन किया गया ह जा कि इन दाना योजनाआ में नामांकित है। इस अध्ययन म स्टटी फाइड प्री–टस्टेड ।कवसमेबमदज ळपतस म्उचवूमतउमदज ैबंसम का प्रयोग किया गया है। क्षमता विकास एव सामाजिक, राजनीतिक व काननी जागरूकता स सम्बन्धित 7 कथन ह जिन पर किशोरियों की प्रतिक्रिया ली गयी है। इसके लिए 5 विकल्प निर्धारित हजिनके आधार पर इसका मूल्यांकन ैबवतपदह किया गया ह। इसी के आधार पर किशोरियों मे सशक्तिकरण के उॅच, मध्यम, और निम्न स्तर का मापन किया गया है। इस अध्ययन म प्राथमिक व द्वितीयक स्रोता का प्रयाग करते हुये शाध से सम्बन्धित जानकारी एकत्र की गयी है, आंकड़ों का संग्रहण (विश्लेषण) सांख्यिकी विधि द्वारा ज्ञात किया गया है।

प्रश्नावली से प्राप्त जानकारी एवं तथ्या का सारणीकरण किया गया ह सशक्तिकरण के दा क्षेत्रों क्षमता विकास एव सामाजिक, राजनीतिक व काननी जागरूकता से सम्बन्धित विभिन्न कथना का सारणी संख्या 1.1 से 1.13 तक दर्शाया गया है।

**सारणी संख्या 1.1 क्षमता विकास**

| मैं जानती हू कि अपने आर्थिक सशक्तिकरण हेतु मैं कोई भी व्यवसाय शुरू कर सकती हू एवं उसे करने की योग्यता रखती हूं। | उत्तरदाता त्र 200द्ध | |
|---|---|---|
| | उत्तरदाता | प्रतिशत |
| 1. पूर्ण असहमत | 12 | 6ण0: |
| 2. असहमत | 45 | 22ण5: |
| 3. न सहमत न असहमत | 31 | 15ण5: |
| 4. सहमत | 49 | 24ण5: |
| 5. पूर्ण सहमत | 63 | 31ण5: |

इस सारणी मे क्षमता विकास स सम्बन्धित इस क्षेत्र के कथन पर 31.5: किशोरियों न पूर्ण सहमति व्यक्त की कि व अपन सशक्तिकरण के लिए कोइ भी व्यवसाय शुरू करनकी योग्यता रखती ह तथा 6: किशोरियों न इस पूर्ण असहमति व्यक्त की।

**सारणी संख्या 1.2 क्षमता विकास**

| मैं आर्थिक रूप से सम्पन्न होने हेतु स्थानीय स्तर पर वैकल्पिक रोजगार को शुरू करने की योग्यता रखती हूं। | उत्तरदाता त्र 200द्ध | |
|---|---|---|
| | उत्तरदाता | प्रतिशत |
| 1. पूर्ण असहमत | 36 | 18ण0: |
| 2. असहमत | 29 | 14ण5: |
| 3. न सहमत न असहमत | 37 | 18ण5: |
| 4. सहमत | 49 | 24ण5: |
| 5. पूर्ण सहमत | 49 | 24ण5: |

इस सारणी में क्षमता विकास से सम्बन्धित इस कथन पर दोनों समूहों की किशोरियों की प्रतिक्रिया को दर्शाया गया ह जिसमें जयपुर की 24.5: ने पूर्ण सहमति तथा इतनी ही किशोरियों सहमति व्यक्त की कि वह वैकल्पिक रोजगार को शुरू करने की योग्यता रखती ह तथा 14.5: न इससे असहमति व्यक्त की।

**सारणी संख्या 1.3 क्षमता विकास**

| मैं बिना किसी झिझक के सार्वजनिक स्थान पर अपरिचित लोगों से बात करने की क्षमता रखती हूं। | उत्तरदाता त्र 200द्ध | |
|---|---|---|
| | उत्तरदाता | प्रतिशत |
| 1. पूर्ण असहमत | 16 | 8ण0: |
| 2. असहमत | 27 | 13ण5: |
| 3. न सहमत न असहमत | 24 | 12ण0: |
| 4. सहमत | 57 | 28ण5: |
| 5. पूर्ण सहमत | 76 | 38ण0: |

इस सारणी म क्षमता निर्माण से सम्बन्धित इस कथन पर दाना समहा की किशोरियों द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया का दर्शाया गया ह जिसमें जयपुर की 38: किशोरियों न पूर्णसहमति व्यक्त की कि वह बिना किसी झिझक के सार्वजनिक स्थान पर अपरिचित लोगा से बात करन की क्षमता रखती ह तथा 8: किशोरिया न इस पर पूर्ण असहमति व्यक्त की।

**सारणी संख्या 1.4 क्षमता विकास**

| eS fcuk fdlh f>>d d yM+dk ls Hkh ckr dj ldrh gwA | mRrjnkrk = 200) | |
|---|---|---|
| | mRrjnkrk | izfr'kr |
| 1- iw.kZ vlger | 19 | 9.5% |
| 2- vlger | 22 | 11.0% |
| 3- u lger u vlger | 40 | 20.0% |
| 4- lger | 55 | 27.5% |
| 5- iw.kZ lger | 64 | 32.0% |

इस सारणी मे क्षमता निर्माण से सम्बन्धित इस कथन पर दोना समूहा की किशोरियों द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया का दर्शाया गया ह जिसमें जयपुर की 32: किशोरियों न इस पर अपनी पूर्ण सहमति व्यक्त की कि वह बिना किसी झिझक के लड़का से भी बात कर लेती ह तथा केवल 9.5: न इस पर अपनी पूर्ण असहमति व्यक्त की।

**सारणी संख्या 1.5 क्षमता विकास**

| मैं बिना किसी झिझक क अपन साथी समूहा क अधिकारा की चर्चा करन की क्षमता रखती हूं। | उत्तरदाता त्र 200द्ध | |
|---|---|---|
| | उत्तरदाता | प्रतिशत |
| 1. पूर्ण असहमत | 18 | 9ण्0: |
| 2. असहमत | 14 | 7ण्0: |
| 3. न सहमत न असहमत | 28 | 14ण्0: |
| 4. सहमत | 54 | 27ण्0: |
| 5. पूर्ण सहमत | 86 | 43ण्0: |

इस सारणी मे क्षमता निर्माण से सम्बन्धित इस कथन पर दोना समूहा द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया का दर्शाया गया ह जिस पर जयपुर की 43: किशोरियों न अपनी पूर्ण सहमति व्यक्त की कि वह बिना किसी झिझक के अपन साथी समूहा के अधिकारा की चचा करनकी क्षमता रखती ह तथा केवल 7 न इस बात पर असहमति व्यक्त की।

**सारणी संख्या 1.6 क्षमता विकास**

| मैं बिना किसी झिझक क होन वाले विभिन्न अन्यायां के खिलाफ आवाज उठान की क्षमता रखती हूं। | उत्तरदाता त्र 200द्ध | |
|---|---|---|
| | उत्तरदाता | प्रतिशत |

| | | |
|---|---|---|
| 1. पूर्ण असहमत | 16 | 8ण्0: |
| 2. असहमत | 23 | 11ण्5: |
| 3. न सहमत न असहमत | 32 | 16ण्0: |
| 4. सहमत | 63 | 31ण्5: |
| 5. पूर्ण सहमत | 66 | 33ण्0: |

इस सारणी म क्षमता निर्माण से सम्बन्धित इस कथन पर दाना समूहा की किशोरियाें द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया का दर्शाया ह जिस पर जयपुर की 33 किशोरिया न इस पर पूणसहमति व्यक्त की कि वह बिना किसी झिझक के होन वाल अन्याया के खिलाफ आवाज उठान की क्षमता रखती ह वही 8 न इसस पूर्ण असहमति व्यक्त की।

**सारणी संख्या 1.7 क्षमता विकास**

| अपनी उम्र क अनुसार मैं हर कार्य करन का कौशल, आत्मविश्वास व योग्यता रखती हूं। | उत्तरदाता ;त्र 200द्ध | |
|---|---|---|
| | उत्तरदाता | प्रतिशत |
| 1. पूर्ण असहमत | 8 | 4ण्0: |
| 2. असहमत | 9 | 4ण्5: |
| 3. न सहमत न असहमत | 15 | 7ण्5: |
| 4. सहमत | 67 | 33ण्5: |
| 5. पूर्ण सहमत | 101 | 50ण्5: |

इस सारणी में 50.5 प्रतिशत किशोरियां न इस कथन पर पूर्ण सहमति व्यक्त की हकि वह अपनी उम्र के अनुसार प्रत्येक कार्य करने का कौशल, आत्मविश्वास व योग्यता रखती ह जबकि 4 प्रतिशत किशोरियो ने इस पर पूर्ण असहमति व्यक्त की है।

**सारणी संख्या 1.8 सामाजिक, राजनीतिक व कानूनी जागरूकता**

| मैं अपन क्षेत्र क पार्षद का नाम जानती हूं। | उत्तरदाता ;त्र 200द्ध | |
|---|---|---|
| | उत्तरदाता | प्रतिशत |
| 1. पूर्ण असहमत | 37 | 18ण्5: |
| 2. असहमत | 29 | 14ण्5: |
| 3. न सहमत न असहमत | 30 | 15ण्0: |
| 4. सहमत | 53 | 26ण्5: |
| 5. पूर्ण सहमत | 51 | 25ण्5: |

इस सारणी मे सामाजिक राजनैतिक कानूनी जागरूकता से सम्बन्धित कथन पर दोनो समूहो की किशोरिया द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया को दर्शाया गया है जिसमें जयपुर की 25.5 किशोरियों द्वारा सहमति व्यक्त की कि वह अपने क्षेत्र के पार्षद का नाम जानती हैं।

**सारणी संख्या 1.9 सामाजिक, राजनैतिक व कानूनी जागरूकता**

| रजिस्टर्ड विवाह क्या होता है, इसकी मुझे जानकारी है। | उत्तरदाता ;200द्ध | |
|---|---|---|
| | उत्तरदाता | प्रतिशत |
| 1. पूर्ण असहमत | 44 | 22.0: |
| 2. असहमत | 31 | 14.5: |
| 3. न सहमत न असहमत | 47 | 23.5: |
| 4. सहमत | 52 | 26.0: |
| 5. पूर्ण सहमत | 26 | 13.0: |

इस सारणी मे सामाजिक राजनैतिक व कानूनी जागरूकता से सम्बन्धित इस कथन पर दोनो समूहो की किशोरियों द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया को दर्शाया गया है। जिसमें जयपुर की 26: किशोरियों ने इस पर अपनी सहमति व्यक्त की वही 13: ने इस पर अपनी पूर्णसहमति व्यक्त की।

**सारणी संख्या 1.10 सामाजिक, राजनैतिक व कानूनी जागरूकता**

| उत्तराधिकार क्या होता है उसके क्या कानून है मुझे जानकारी है। | उत्तरदाता ;200द्ध | |
|---|---|---|
| | उत्तरदाता | प्रतिशत |
| 1. पूर्ण असहमत | 28 | 14.0: |
| 2. असहमत | 37 | 18.5: |
| 3. न सहमत न असहमत | 34 | 17.0: |
| 4. सहमत | 63 | 31.5: |
| 5. पूर्ण सहमत | 38 | 19.0: |

इस सारणी मे सामाजिक राजनीतिक व कानूनी जागरूकता से सम्बन्धित इस कथन पर दोनो समूहो की किशोरियों द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया को दर्शाया गया है जिसमें जयपुर की 31.5 प्रतिशत किशोरियों ने इससे सहमति व्यक्त की कि उन्हे उत्तराधिकार कानून की जानकारी है।

**सारणी संख्या 1.11 सामाजिक, राजनैतिक व कानूनी जागरूकता**

| युवाओं मे होने वाली नशीली दवाओं की लत की जानकारी मुझे है। | उत्तरदाता ;200द्ध | |
|---|---|---|
| | उत्तरदाता | प्रतिशत |

| | | |
|---|---|---|
| 1. पूर्ण असहमत | 32 | 16ण्0: |
| 2. असहमत | 37 | 18ण्5: |
| 3. न सहमत न असहमत | 38 | 19ण्0: |
| 4. सहमत | 37 | 18ण्5: |
| 5. पूर्ण सहमत | 56 | 28ण्0: |

इस सारणी म सामाजिक राजनीतक व काननी जागरूकता स्न सम्बन्धित इस कथन पर दोना समूहा की किशोरियों द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया का दर्शाया गया ह जिसम जयपुर की 28 प्रतिशत किशोरिया न इस्न पर अपनी पर्ण सहमति व्यक्त की वही 16 प्रतिशत नइस पर अपनी पूर्ण अस्नहमति व्यक्त की।

**सारणी स्नंख्या 1.12 सामाजिक, राजनीतिक व कानूनी जागरूकता**

| मुझ्रे परिवार व समाज क प्रति अपनी जिम्मेदारिया का पर्ण ज्ञान है। | उत्तरदाता त्र 200द्व | |
|---|---|---|
| | उत्तरदाता | प्रतिशत |
| 1. पूर्ण असहमत | 10 | 5ण्0: |
| 2. असहमत | 19 | 9ण्5: |
| 3. न सहमत न असहमत | 16 | 8ण्0: |
| 4. सहमत | 77 | 38ण्5: |
| 5. पूर्ण सहमत | 78 | 39ण्0: |

इस सारणी म सामाजिक राजनीतक व काननी जागरूकता स्न सम्बन्धित इस कथन पर दोना समूहा की किशोरियों द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया का दर्शाया गया ह जिसमें जयपुर की 39 प्रतिशत किशोरिया न इस पर अपनी पूण सहमति व्यक्त की वही केवल 5 प्रतिशत न अपनी पूर्ण सहमति व्यक्त की।

**सारणी स्नंख्या 1.13 सामाजिक, राजनीतिक व कानूनी जागरूकता**

| मैं आर्थिक रूप से स्नशक्त होने के लिये मुख्य व्यवसाय के अतिरिक्त स्थानीय स्नंसाधनों के अनुसार सहायक/विकल्प व्यवसायों की भी जानकारी रखती हूं। | उत्तरदाता त्र 200द्व | |
|---|---|---|
| | उत्तरदाता | प्रतिशत |
| 1. पूर्ण असहमत | 36 | 18ण्0: |
| 2. असहमत | 41 | 20ण्5: |
| 3. न सहमत न असहमत | 42 | 21ण्0: |
| 4. सहमत | 37 | 18ण्5: |
| 5. पूर्ण सहमत | 44 | 22ण्0: |

इस सारणी मे सामाजिक राजनैतिक व कानून जागरूकता से सम्बन्धित इस कथन पर दोनो समूहो की किशोरियों द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया को दर्शाया गया है जिसमें जयपुर की 22 प्रतिशत किशोरियो ने इस पर अपनी पूर्ण सहमति व्यक्त की कि वह आर्थिक रूप से सशक्त होने के लिए मुख्य व्यवसाय के अतिरिक्त स्थानीय ससाधनों के अनुसार सहायक विकल्प व्यवसायो की भी जानकारी रखती है वही केवल 18 प्रतिशत किशोरियो नेइस पर पूर्ण असहमति व्यक्त की।

## उपसंहार

किशोरियों के लिए हमारी सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही है जो उनके सशक्तिकरण मे महत्वपर्ण भूमिका निभा रही है ये योजनाएं किशोरियो मे क्षमता निर्माण व सामाजिक राजनीतिक व काननी जागरूकता को भी बढा रही है प्रस्तत अध्ययन मे इन योजनाओ मे सम्मिलित किशोरियो का एडोलेसेन्ट गर्ल्स इम्पावरमेंट स्केल द्वारा इनके सशक्तिकरण स्तर का मापन किया गया है जिसमें जयपुर की 65.5 प्रतिशत किशोरियों का सशक्तिकरण का स्तर उॅंच पाया गया है। 37.5 प्रतिशत किशोरियों का सशक्तिकरण का स्तर मध्यम पाया गया है इससे स्पष्ट होता है कि इन योजनाओ मे सम्मिलित किशोरियां कानूनी जागरूकता, राजनैतिक जागरूकता व सामाजिक जागरूकता रखती है इसके अतिरिक्त उनमें क्षमता विकास भी पाया गया। किशोरियां आर्थिक सशक्तिकरण के लिए व्यवसायो की जानकारी और उन्हे करने की योग्यता रखती है। उन्हे वैकल्पिक रोजगारोकी भी जानकारी है। इन योजनाओ मे उन्हें वैकल्पिक रोजगारो की जानकारी दी जाती हव प्रशिक्षण भी दिया जाता है जिससे वह भविष्य मे अपनी जीविकापार्जन आसानी से कर सकती है। इसके अतिरिक्त इन योजनाओ द्वारा उन्हे शारीरिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है। इसकी वजह से वे बिना भय के कही भी आ जा सकती है। किसी से भी बिना झिझक आसानी से बात कर सकती है। अपने अधिकारो की जानकारी होने से वह अपने अधिकारोके लिए लड़ सकती है। बात कर सकती है। दूसरो के अधिकारो के लिए भी अपना योगदान कर सकती है। अपने तथा दूसरो के प्रति होने वाले अन्यायों के खिलाफ खड़ी होसकती है किशोरियां अपनी आयु के अनुसार प्रत्येक कार्य करने की योग्यता रखती है व कर सकती है। किशोरिया को युवावस्था मे होने वाली विभिन्न गलत आदतो नशीली दवाओकी जानकारी रखती है। जिससे वह अपना व अपने परिवार का बचाव इनसे कर सकती हव समाज को इनके बुरे परिणाम के प्रति जागरूक कर सकती है। पोषण शिक्षा के द्वारा

उन्हे अपने को स्वस्थ रखना भी सिखाया जाता है कहा जा सकता है कि ये योजनाएं किशोरियों का सशक्तिकरण करने में मदद कर रही है और अपने उद्देश्यों में भी सफल हो रही है।

## सन्दर्भ ग्रन्थ सूची–


1. ओलडिपा एस. ( –साइकोलाजिकल इम्पावरमेन्ट एन्ड डेवलपमेंट 2. करूना 2012– इम्पावरिंग एडोलसेन्ट गर्ल्स

3- कुरूक्षेत्र पत्रिका 2006

4- चन्दा आर. – वुमेन इम्पावरमेन्ट इन इण्डिया माइलस्टोन्स एण्ड चैलेन्जर्स 5. डब्लू निक. इन/स्कीम सबला.एचटीएम

6. डब्लू डब्लू डब्लूभारत.जीवोओ.इन 7. डब्लू डब्लू डब्लयूपी.जीवोओ.इन

8. प्लानिंग कमीशन गवर्मेन्ट आफ इण्डिया : रिपोर्ट आफ इण्डिया द वर्किंग गुप आन एडोल्सेन्ट फार द टथ फाइव इयर प्लान 9. योजना पत्रिका 2010

10- सुषमा के.– एडोल्सेन्ट हल्थ प्रोग्राम्स इन इण्डिया

11- श्रीवास्तव डी. एन. वर्मा पी. – बाल मनोविज्ञान : बाल विकास 14वा संस्करण प्रकाशक विनाद पुस्तक मन्दिर